5

सुनें कहानी!

थाथू और मैं

मैं अपने दादाजी के साथ रहती हूँ।
उन्हें मैं 'थाथा' कहती हूँ।
लेकिन जब उन पर बहुत प्यार आता
है, तो मैं उन्हें 'थाथू' बुलाती हूँ।

कभी-कभी थाथू मुझे सिनेमा दिखाने बाहर ले जाते हैं।
मैं उनकी गोदी में बैठकर हॉर्न बजाती हूँ – पॉम! पॉम! रास्ते की सब बकरियाँ और गायें दूर हट जाती हैं।

© NCERT not to be republished

“थाथू क्यों न हम चाँद पर चलें?” मैं पूछती हूँ। वे सिर हिलाकर हँस देते हैं। थाथा के दाँत नहीं हैं। जब वे हँसते हैं तो एक गुलाबी-सी दीवार दिखाई देती है...और फिर... एक गुलाबी-सी गुफा।

जब बारिश होती है, तो थाथा खिड़की के बाहर इशारा करते हैं और कहते हैं, “देखो! बरसात हो रही है।
चलो! बाहर चलें।”
थाथू और मैं हमेशा कुछ अलग करते हैं। हम समुद्र तट पर जाते हैं।
ऊँची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ़ उठती-गिरती हैं।

चाँद हमारे साथ-साथ चलता है और हवाएँ सीटी बजाती हैं।
मछलियाँ थाथू और मुझे ढूँढ़ती हुई आती हैं।
मेरी उँगलियाँ कुतरती हैं और मुझे खेलने को बुलाती हैं।

© NCERT not to be republished

हम दौड़ लगाते हैं और
कलाबाज़ियाँ खाते हैं।
जब अँधेरा हो जाता है, तो मैं
थाथू का हाथ पकड़ लेती हूँ।
उनके साथ मैं कूदती-फाँदती
घर आ जाती हूँ। और फिर
थाथू अपनी मनपसंद किताब
पढ़ने बैठ जाते हैं।

"थाथू, यह कोई जादुई किताब है?"
मैं पूछती हूँ। थाथू मुस्कुराते हैं।
"क्या मैं भी जादूगर बनूँगी?" मैं फिर
पूछती हूँ, "आपकी तरह?" वे कहते
हैं, "अब सो जाओ।"
उनकी गोद में सिर रखकर, मैं सो
जाती हूँ।
मुझे अपने थाथू से बेहद प्यार है। मैं
प्रार्थना करती हूँ... कि एक दिन, मैं
भी उनके जैसी बनूँ।

—गीता धर्मराजन

not to be republished © NCERT

बातचीत के लिए

इस कहानी के आधार पर कुछ प्रश्न बनाइए और अपने मित्रों से पूछिए।

शब्दों का खेल

1. सही जगह पर चंद्रबिंदु लगाकर अपनी कॉपी में लिखिए–

(क) ऊची-नीची लहरें मेरे चारों तरफ़ उठती-गिरती हैं।

(ख) "थाथू क्यों न हम चाद पर चलें?"

(ग) मेरी उगलिया कुतरती हैं।

(घ) उनके साथ मैं कूदती-फादती घर आ जाती हूँ।

2. नीचे दिए गए शब्द उलट-पलट हो गए हैं। शब्दों को सही क्रम में लगाकर वाक्य अपनी कॉपी में लिखिए–

(क) साथ के रहती हूँ मैं दादाजी।

(ख) तट समुद्र जाते हम पर हैं।

(ग) हैं थाथू मुस्कुराते।

(घ) हूँ मैं कहती 'थाथा' उन्हें।

© NCERT not to be republished

झटपट कहिए

1. फूफा के फुग्गा पर फिर
मिला फलाहारी
फाफड़ा।

2. भैया भाभी को भायी
भागलपुर की भारी भरकम भेंट।